तापमान

अधिकतम 28 .5 डिग्री
न्यूनतम 5 .5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, शनिवार, 8 नवंबर 2025

14 संस्कृत श्लोक पाठ में सुब्रोतो व कटारी सदन संयुक्त रूप से बने विजेता

14 जिलेभर में एक साथ गूंजा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का स्वर, सभी स्कूलों व कॉलेजों में मनाया स्मरण उत्सव

खबर संक्षेप

धानक समाज की बैठक जाटूसाना में कल

रेवाड़ी। धानक समाज के प्रधान वेदप्रकाश बनवाल ने बताया गया कि समाज के उत्थान व जागरूकता के लिए ब्लॉक वाइज मीटिंग की जा रही है। खोल,नाहड व डहीना ब्लॉक की कमेटी गठित की जा चुकी है। रविवार 9 नवंबर को सुबह 10 बजे जाटूसाना ब्लॉक की मीटिंग का आयोजन धानक धर्मशाला में किया जाएगा। मीटिंग में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। इसी दिन धानक समाज की जाटूसाना ब्लॉक की कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा।

गुरू तेगबहादुर-हिंद दी चादर कार्यक्रम 9 को

रेवाड़ी। गुरू तेगबहादुर-हिंद दी चादर का आयोजन रविवार 9 नवंबर को पंजाबी धर्मशाला में किया जा रहा है। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि शिक्षाविद एवं समाजसेवी प्रो. सीएल सोनी कार्यक्रम में मुख्यातिथि व गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव सिंह सभा बारा हजारी के प्रधान सरदार प्रीतपाल सिंह विग विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से पंजाबी मार्केट काम्पलेक्स ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान सरदार बलबीर सिंह मल्होत्रा, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, गुरू तेग बहादुर शहीदी जत्थे के संयोजक सरदार कश्मीर सिंह व शिक्षाविद सुदेष रानी का अभिनंदन तथा उल्लेखनीय सेवा करने वाले साथियों को सम्मानित किया जाएगा।

यादव कल्याण सभा को फ्री स्वास्थ्य जांच कैंप कल

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से 9 नवंबर को सुबह 9 से 11 बजे तक गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमे मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की जाएंगी। यादव सभा प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव ने बताया कि कैंप में डा. रवि राव मेडिसिन, डा. आत्मप्रकाश यादव हड्डीरोग, डा. सुनील यादव सर्जरी, डा. गौतम यादव नेत्ररोग व डा. अनिल यादव दंत रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान करेंगे। इनके अलावा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव फिजियोथेरेपी कन्सल्टेंसी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

शहीदी पर्व पर रक्तदान शिविर का आयोजन कल

रेवाड़ी। शहीदों की स्मृति में शहर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गुरु तेग बहादुर जी के 350वें वार्षिक शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। कैंप का आयोजन बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट, श्री राम शाखा भारत विकास परिषद तथा रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी सिटी के संयुक्त तत्वावधान किया जाएगा। शिविर का आयोजन 9 नवंबर को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आशियाना वृद्धाश्रम बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट झज्जर रोड में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पटौदी स्थित हरि मंदिर आश्रम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज होंगे।

नगर पार्षद व सामाजिक संगठन हुए एकजुट

शहर के नागरिक अस्पताल की क्षमता 200 बिस्तर करने की मांग

मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और विधायक के नाम जिला उपायुक्त अभिषेक मीणा को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

शहर के नागरिक अस्पताल में ही 200 बेड के अस्पताल के निर्माण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। शुक्रवार को नगर परिषद चेयरपर्सन सहित नगर पार्षदों और सामाजिक संगठनों ने शहर में ही सरकारी अस्पताल बनाने की मांग तेज कर दी है। उधर नागरिक अस्पताल बनाने की मांग को लेकर कई गांवों के ग्रामीण करीब साढे चार महीने से रामगढ़-भगवानपुर में धरने पर बैठे हुए है तथा पिछले 12 दिन से अनशन भी शुरू किया हुआ है। शुक्रवार का पार्षदों व सामाजिक संगठनों ने शहर में सरकारी अस्पताल बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और विधायक के नाम जिला उपायुक्त अभिषेक मीणा को ज्ञापन सौंपा। शहर में नागरिक अस्पताल को 100 से 200 बेड में अपग्रेड करने की घोषणा भाजपा के पहले कार्यकाल में हुई थी। वर्तमान में नागरिक अस्पताल को अपग्रेड करने की ज्यादा जरूरत है। शुक्रवार को नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव के नेतृत्व में सभी नगर पार्षदों, सामाजिक संगठनों, आरडब्ल्यूए के प्रधानों व प्रबुद्ध नागरिकों ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व विधायक के ज्ञापन देकर 200 बेड का नया अस्पताल शहर के नागरिक अस्पताल में ही स्थापित करने की मांग की। इस मौके पर चेयरपर्सन पूनम ने कहा कि करीब छह महीने से सैकड़ों की संख्या में शहर के प्रबुद्ध नागरिक व 31 वार्डों के लोग शहर में ही अस्पताल बनाने की मांग कर रहे है। 30 सितंबर को सभी नगर पार्षदों की सहमति से नगर परिषद हाउस की बैठक में भी प्रस्ताव पारित किया गया है कि यह अस्पताल नागरिक अस्पताल में ही स्थापित किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने 200 बेड का अस्पताल सिविल हस्पताल में ही स्थापित करने की मांग की। शहर में अस्पताल बनने से सभी लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ मिलेगा।

रामगढ़-भगवानपुर में 144 दिन से चल रहा धरना, ग्रामीण भी अस्पताल की मांग को लेकर झुकने को नहीं तैयार

सरकारी अस्पताल निर्माण को लेकर सचिवालय पहुंचे पार्षद व सामाजिक संगठनों के लोग

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर पंजाबी समाज के प्रधान एडवोकेट सचिन मलिक, राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट व पार्षद भूपेन्द्र सिंह गुप्ता, नगर परिषद उपप्रधान श्यामसुंदर चुग, पूर्व चेयरमैन विजय राव, पार्षद निहाल सिंह, दीपक अग्रवाल, मनीष गुप्ता, मंजू भलिया, पूनम सतीजा, रेखा यादव, सुरेश सैनी, संगीतलता, गोपालकृष्ण, कुसुमलता, सुमन खरेरा, बबीता यादव, मोनिका यादव, रमेश मोरवाल, धीरज शर्मा, रोहतास व राजेन्द्र सिंहल मौजूद थे।

रेवाड़ी। डीसी को ज्ञापन देते पार्षद व सामाजिक संगठनों के लोग।

मांग को लेकर ग्रामीणों को धरना जारी

रामगढ भगवानपुर धरने में सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर ग्रामीणों का क्रमिक अनशन के 12वें दिन भी जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता कॉमरेड राजेन्द्र सिंह एडवोकेट, शेरसिंह मीरपुर, करतार सिंह खटावली, नरेश कुमार तुर्कियावास, श्रवण कुमार तुर्कियावास, सुमेर सिंह तुर्कियावास व राकेश कुमार सुनारिया पूर्व सैनिक सहित सात लोग अनशन पर बैठे। धरने का शुक्रवार को 144वां दिन रहा। इस मौके पर अस्पताल बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक और सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि जब तक सरकार वायदे अनुसार एनएच-71 के पास भगवानपुर की पंचायती जमीन पर अस्पताल नहीं बनाती, तब तक धरना जारी रहेगा। हनुमंत उर्फ पिलानी ने मंच संचालन किया। इस अवसर बाबू कैलाश चन्द अध्यक्ष एम्स संघर्ष समिति मनेठी, आर के श्योराण रिटायर्ड जिला अटार्नी, मनोज कुमार एडवोकेट पूर्व ईओ, सुरेंद्र एडवोकेट, अजय एडवोकेट, सुधीर एडवोकेट, लोकेश एडवोकेट, राव लाल सिंह, कंवर सिंह, सुदन सिंह, खजान सिंह, शेर सिंह, अतर सिंह, मेहरचंद, हुकमचंद, हरद्वारी नंबरदार, सोमदत्त, शीशपाल मीरपुर, भीमसिंह नागंलतेजू, निरंजन माढैया कला, संदीप खटावली, गजराज सुनारिया, महीपाल फदनी रामबीर बुडानी, इन्द्रजीत फदनी, विनय कुमार व विजय गोकलपुर सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

एनसीबी टीम ने 16.59 ग्राम स्मैक सहित तीन नशा तस्कर किए काबू

- आरोपी के विरुद्ध थाना रोहड़ाई में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

एचएसएनसीबी जिला यूनिट ने बाबा देवता मंदिर गुरावड़ा से तीन नशा तस्करों को 16.59 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। एनसीबी जिला यूनिट के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक कीमती लाल के नेतृत्व में टीम को सूचना मिली थी कि गुरावड़ा निवासी सचिन नशीला पदार्थ स्मैक झज्जर से रेवाड़ी लेकर आएगा। सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी सचिन उर्फ डाक्टर, सुरेंद निवासी सुबाना जिला झज्जर व अमित निवासी कड़ौदा जिला झज्जर को मौके से काबू कर लिया। डीएसपी कोसली विद्यानंद की मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 16.59 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ स्मैक बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध थाना रोहड़ाई में एनडीपीएस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा की यदि किसी को भी नशा बिक्री या तस्करी संबंधी कोई भी जानकारी प्राप्त हो, तो भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 1933, मानस पोर्टल अथवा हरियाणा एनसीबी हेल्पलाइन 90508-91508 पर तुरंत सूचना दें।

रेवाड़ी। एनसीबी की गिरफ्त में नशा तस्कर। फोटो : हरिभूमि

पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 3.13 लाख की ठगी करने के मामले में दूसरा गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर करीब 3.13 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला झांसी के सिदस्वर नगर निवासी अनूप कुमार तिवारी के रूप में हुई है।

पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 31 दिसंबर को राधा स्वामी कॉलोनी सेक्टर-3 निवासी लालसिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने नवंबर माह में सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने का विज्ञापन देखा था।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में साइबर ठगी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

बैंक के माध्यम से 1.20 लाख का भुगतान किया

फेसबुक से मिले नंबरों पर फोन करने पर संपर्क करने पर आर्यन यादव नामक व्यक्ति ने उसे एक व्हाट्सग्रुप से जोड़ दिया। ग्रुप से हुई बातचीत के आधार पर उसने एक नामी कंपनी के 2400 शेयर 50 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीद लिए। इसके लिए उसने बैंक के माध्यम से 1.20 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। इसके बाद उसके पास एक महिला का फोन आया, जिसने आईपीओ खरीदने के लिए उससे बात की। उससे पूर्व में इस्टाल कराई एप को अपडेट करने के लिए कहा।

कंपनी से सस्ता लोन खरीदने का झांसा दिया

इसके बाद महालक्ष्मी कंपनी का आईपीओ खरीदने के लिए 16 लाख रुपये इन्वेस्ट करने को कहा गया। लाल सिंह ने उसे बताया कि वह इतनी राशि खर्च करने में सक्षम नहीं है, तो महिला ने उसे कंपनी से सस्ता लोन खरीदने का झांसा दिया। उसे झांसे में देकर 3 लाख 12 हजार 828 रुपये की साइबर ठगी का शिकार बना दिया। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक आरोपी यूपी के जिला झांसी के सिदस्वर नगर निवासी मनीष दूबे को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी मनीष दूबे के खाते में 1.93 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने वीरवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी अनूप कुमार तिवारी को भी गिरफ्तार कर लिया हैं।

अवैध रूप से निर्माण करने व कॉलोनियां काटने वाले लोगों में खलबली मच गई

बावल के खेडामुरार रोड पर चली डीटीपी की जेसीबी, दो एकड़ की अवैध कॉलोनी ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶। बावल

डीटीपी की टीम ने शुक्रवार को बावल की राजस्व सीमा में बावल से खेडामुरार रोड पर 2 एकड़ जमीन में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी को जमींदोज कर दिया। डीटीपी की इस कार्रवाई से अवैध रूप से निर्माण करने व कॉलोनियां काटने वाले लोगों में खलबली मच गई। डीटीपी की टीम ने शुक्रवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल के साथ बावल के खेडामुरार रोड परपहुंची। जहां पर डीटीपी की जेसीबी ने 2 एकड़ में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की। डीटीपी टीम ने यहां 12 डीपीसी, 3 चारदिवारी व कच्चे रोड नेटवर्क पर जेसीबी की मदद से तोड़फोड़ की कार्रवाई की। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते डीटीपी की इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ।

रेवाड़ी। अवैध निर्माण तोड़ती डीटीपी की जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें

डीटीपी मंदीप सिहाग ने कहा कि आमजन प्रॉपर्टी डीलरों के झांसे में आकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें। अनियमित कॉलोनियों में प्लॉट खरीकर मकान बनाने वाले लोगों को तोड़फोड़ के बाद दोहरे नुकसान का सामना करना पड़ता है। लोगों को प्लॉट खरीदने से पहले विभागीय कार्यालय से यह पता करना चाहिए कि जहां वह प्लॉट खरीद रहे हैं, वह कॉलोनी रेगुलर है या नहीं। अभी नई कॉलोनियों को रेगुलर को करने की सरकार की कोई योजना नहीं है। बिना अनुमति किए जाने वाले निर्माण किसी भी सूरत में छोड़े नहीं जाएंगे।

नुकसान की सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की

नांगल मूंदी में दोबारा टूटी नहर तीस एकड़ की फसल जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नांगल मूंदी

नांगल मूंदी गांव में बेरली-लाधूवास नहर पिछले पांच दिन में दो बार टूट गई, जिससे दर्जन भर से ज्यादा किसानों की फसल जलमग्न हो गई। गांव के किसान रामपाल सरपंच, बाबूलाल नंबरदार, विनोद पंच, उजाला, विनोद, शुभराम, श्रीचंद, शारदा देवी, भीखाराम, सत्यनारायण, शिवलाल, करणसिंह, हेमू पंच, हंसराम, सोना देवी, सत्तू, करणसिंह, रतन सिंह, सज्जन सिंह, शमशेर सिंह व राजीव पंच ने बताया कि ने नहर पिछले पांच दिन में दूसरी बार टूट गई, जिससे करीब 20 एकड़ सरसों व 5 एकड़ गेहूं फसल नष्ट हो गई। सूचना पर पहुंची जेसीबी ने मिट्टी डालकर नहर को बंद किया। किसानों ने कोसली विधायक से विभाग की टीम भेजकर नुकसान की सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

रेवाड़ी। टूटी नहर से खेत में जाता पानी व जमा ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

प्रदूषण के स्तर में हुई वृद्धि, नगर परिषद के पास ही उठा धुएं का गुबार

रात का तापमान गिरा, ठंडे मौसम ने कराया सर्दी का अहसास

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

रात के तापमान में दो दिन से हो रही कमी ने लोगों को ठंड का अहसास कराना शुरू कर दिया है। दिन के तापमान में अभी उतार-चढ़ाव जारी रहने से ठंड जोर नहीं पकड़ रही है। वीरवार की रात इस सीजन का सबसे ठंडी रात रही। हांलाकि दिन के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को रात के तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। शुक्रवार को प्रदूषण का स्तर भी एक बार फिर से बढ़ गया। शुक्रवार सुबह से धूप निकलने के साथ मौसम साफ रहा। हांलाकि धूप में तेजी के बावजूद मौसम में नमी रही। सर्दी का अहसास शुरू होने पर लोगों ने गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए है। शुक्रवार को काफी लोग गर्म कपड़े पहने हुए भी नजर आए। अधिकतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 28.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस सीजन का सबसे कम तापमान है। मौसम ठंडा होने से रात के समय लोगों ने कंबल का इस्तेमाल भी करना शुरू कर दिया है।

रेवाड़ी। नगर परिषद के पास मकान की छत से उठा धुंए का गुबार। फोटो :हरिभूमि

फिर से बढ़ने लगा प्रदूषण का स्तर

मौसम ठंडा होते ही शुक्रवार को एक्यूआई बढ़कर 238 पर पहुंच गया। एक्यूआई बढ़ने व आसमान में स्मॉग छाए रहने से लोगों को आंखों में जलन की शिकायत भी होने लगी थी। सुबह 6 बजे के आसपास धुआं कोहरे की तरह छाया रहा, जिससे सड़कों पर विजिबिलिटी प्रभावित हुई। शहर में ग्रेप-2 की पाबंदियां लागू होती नतजर नहीं आ रही है। शक्रवार को नगर परिषद परिसर के पास ही मकान की छत से धुएं का गुब्बार काफी देर तक दुकानों के आसपास फैलता रहा। बीते साल इसी दिन एक्यूआई 200 के आसपास दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ व शुष्क बना रहने के आसार हैं।

जल्द कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ बना रहेगा। तेज धूप खिलने के बावजूद हवाएं चलने से मौसम का मिजाज ठंडा रहेगा। आगामी दिनों में दिन और रात के तापमान में कमी आने से लोगों को जल्द कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ेगा।

विद्यार्थियों ने विज्ञान की गतिविधियों की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल हांसाका में कक्षा छठी व सातवीं के बच्चों की विज्ञान में रुचि को देखते हुए मोमबत्ती व पानी का प्रयोग करके एयर प्रेशर का कमाल दिखाया गया। जलती हुई मोमबत्ती को पानी की प्लेट में रखकर उस मोमबत्ती को कांच के खाली जार से ढकने पर देखा तो कुछ पल में मोमबत्ती बुझ गई और प्लेट का पानी जार में ऊपर चढ़ने लगा। इसे देखकर छात्र हैरान हो गए तथा इसका कारण जाना। इस अवसर पर स्कूल संचालक सुरेश कुमार ने कहा कि ऐसे रोचक प्रयोग बच्चों की उत्सुकता बढ़ाकर उन्हें कुछ नया करने की प्रेरणा देते हैं।

रेवाड़ी। स्कूल में विज्ञान का प्रयोग देखते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सूअर में पसीने की ग्रंथियां नहीं होती हैं, इसलिए वे ठंडा रहने के लिए कीचड़ में लौटते हैं।

बाज की दूर की दृष्टि औसत इंसान से लगभग 700% बेहतर होती है।

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन चमकाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

कंप्यूटर के कार्य करने के तरीके को जानकर उसका सुचारू रूप से संचालन करना कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य होता है। कंप्यूटर अनुदेशक कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टशन देता है या फिर कंप्यूटर इंस्ट्रक्टशन को लोगों को आम भाषा में सिखाता है इसे आप आसान भाषा में कंप्यूटर अध्यापक भी कह सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि कंप्यूटर का उपयोग आज के समय में बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसके लिए कंप्यूटर को इंस्ट्रक्टर करने वाले लोगों की भी डिमांड देश और दुनिया में हर दिन बढ़ रही है तो आइए कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के बारे में जानते हैं।

बहुत अधिक महत्व

कंप्यूटर का उपयोग तथा उसका महत्व क्या है? यह बात आप भली-भांति जानते ही होंगे, क्योंकि आज के समय में कंप्यूटर प्रत्येक छोटा से छोटा और प्रत्येक बड़ा से बड़ा कार्य कर लेता है। कंप्यूटर पर आज के समय में दुनिया भर के प्रत्येक काम किए जाते हैं। कंप्यूटर की मदद से ही बड़ी-बड़ी कंपनियां और बड़े बड़े उद्योगों को चलाया जाता है। इस तरह से कंप्यूटर की उपयोगिता के आधार पर आप इसकी जरूरत और इससे होने वाले फायदों के बारे में भली-भांति जान सकते हैं। कंप्यूटर आज के दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाला एक आम उपकरण बन चुका है जिसका इस्तेमाल भारत में तथा दुनिया भर में 80% से भी अधिक आबादी करती है। कंप्यूटर का उपयोग ज्योति नहीं करते हैं वह कंप्यूटर के द्वारा निर्मित या कंप्यूटर के सहयोग से बनी हुई वस्तुओं का उपयोग अवश्य करते हैं। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कंप्यूटर आज के समय में कितना महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है। कंप्यूटर पर आधारित बड़े-बड़े उद्योग और बड़ी-बड़ी कंपनियां संचालित हैं। कंप्यूटर की मदद से ऑनलाइन कार्य किए जाते हैं और हर तरह के काम को आसान बनाया जाता है। कंप्यूटर बहुत सारे लोगों का काम अकेला ही तथा कुछ ही समय में कर देता है इसके अलावा काफी आसान तरीके से काम को निपटा देता है इसीलिए कंप्यूटर का महत्व है।

कौन होता है कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर

एक ऐसा व्यक्ति जो कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों के इस्तेमाल के लिए कंप्यूटर को तैयार रखता है या कंप्यूटर की प्रणालियों को समझ कर लोगों को आसान भाषा में बताता है, ऐसे व्यक्ति को हम कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर कहते हैं। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर एक प्रकार का कंप्यूटर अध्यापक होता है जो कंप्यूटर से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य करता है। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर का कार्य आमतौर पर बड़े-बड़े सरकारी विद्यालयों में तथा बड़े-बड़े प्राइवेट शिक्षण संस्थान में बच्चों को कंप्यूटर की क्लास के दौरान होता है।

कौन से कार्य करने होते

कंप्यूटर एक ऐसा उपकरण है जो जटिल से जटिल कार्य को कम से कम समय में पूरा कर देता है। कंप्यूटर को समझना बहुत आसान है और बहुत कठिन भी है क्योंकि हम जितना कंप्यूटर को समझेंगे उतना हम कार्य कर सकते हैं। लेकिन हम कंप्यूटर को पूरी तरह से नहीं समझ सकते, क्योंकि हम जितना चाहे उतना कंप्यूटर को समझ सकते हैं और जितना चाहे उतना अपनी समझ के अनुसार कंप्यूटर से कार्य करवा सकते हैं जो व्यक्ति जितना अधिक कंप्यूटर के क्षेत्र में आगे बढ़ता है। कंप्यूटर की शिक्षा प्राप्त करता है। वह उसके अनुकूल कंप्यूटर से संबंधित शिक्षा ग्रहण कर लेता है **Computer instructor** एक ऐसा ही पद होता है।

कंप्यूटर अनुदेशक की योग्यताएं

कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं तो आपको कुछ योग्यताएं पास करनी होगी, जिसके बाद ही आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन सकते हैं क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण पद है। प्रत्येक व्यक्ति को कंप्यूटर के सेक्टर में अतिरिक्त और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं होती है। अगर आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर से संबंधित कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली को गंभीरता से जानना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने की योग्यता इस प्रकार है।

- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको कंप्यूटर के सेक्टर में गहरी रूचि होनी चाहिए।
- आपके पास कंप्यूटर के क्षेत्र मे डिप्लोमा या कोई अतिरिक्त उच्च डिग्री होनी चाहिए।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको कंप्यूटर को गहराई से समझना होगा।
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की प्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करनी होगी।
- कंप्यूटर अनुदेशक बनने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थान तथा वैकेंसी के अंतर्गत आवेदन करना होगा। कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए संबंधित लिखित एवं महत्वपूर्ण परीक्षा पास करनी होगी।

कैसे बनें : सरकारी नौकरी के तहत कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आपको शिक्षण संस्थान या संस्था द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती के लिए मांगे गए आवेदन के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

- आवेदन करने के बाद निर्धारित की गई योग्यता के आधार पर अपनी योग्यता सिद्ध करनी होगी।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर के लिए आयोजित परीक्षा अच्छें अंकों के साथ पास करनी होगी, तभी आपका नंबर मेरिट लिस्ट में आ पाएगा।
- अगर आपका नाम मेरिट लिस्ट में आ जाता है तो आप कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बन जाते हैं।
- कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनने के बाद कार्यरत होने से पहले आपको संबंधित अपने सभी दस्तावेजों को प्रमाणित करवाना होता है।
- प्राइवेट सेक्टर में कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर बनाने के लिए आपको संस्था या शिक्षण संस्थान के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा।

सर्जरी के हीरो पर्दे के पीछे, करियर का बेहतरीन विकल्प

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट बन छू लें आसमान

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

अगर आप भी मेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर चमकाना चाहते हैं तो आपके लिए एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट का कोर्स एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है। यह कोर्स करने के बाद आप सर्जरी में पर्दे के पीछे के हीरो बन जाएंगे और अपने करियर को नई उड़ान दे सकेंगे। इसके साथ आपको मरीजों की सेवा करने का भी मौका मिलता है। मरीज की सर्जरी के समय ऑपरेशन थिएटर में एक संपूर्ण मेडिकल टीम सक्रिय रहती है, जिसमें सर्जन और एनेस्थेटिस्ट के साथ एक उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद होता है। यही विशेषज्ञ होता है जो एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट (एओटीटी) जो मरीज की सुरक्षा, ओटी उपकरणों की तैयारी और सर्जिकल प्रक्रिया की निरंतरता सुनिश्चित करता है। इस कारण इसे मेडिकल फील्ड के सबसे महत्वपूर्ण, लेकिन कम दिखाई देने वाले प्रोफेशन में से एक माना जाता है।

12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना जरूरी

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी

सरकारी संस्थानों में परीक्षा के आधार पर ही दाखिला

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट

एनेस्थेसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजिस्ट एक टेक्नो-क्लिनिकल विशेषज्ञ होता है, जो सर्जरी से पहले, दौरान और बाद में तकनीकी तथा क्लिनिकल सपोर्ट प्रदान करता है।

ये हैं मुख्य जिम्मेदारियां :-

- ओटी की तैयारी और तकनीकी सेटअप
- मशीनों, मॉनिटर्स और उपकरणों की जांच व संचालन
- एनेस्थीसिया प्रक्रिया में सहायता
- स्टरलाइजेशन और संक्रमण नियंत्रण
- आईसीयू/आपातकालीन स्थितियों में तकनीकी सहायता
- कार्डियक/न्यूरो/ऑर्थो जैसे सुपर-स्पेशियलिटी ओटी में सपोर्ट

कोर्स की अवधि

बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी एक 4 वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम है, जिसमें 3 वर्ष का अकादमिक प्रशिक्षण और 1 वर्ष की अनिवार्य क्लिनिकल इंटर्नशिप शामिल होती है। इस दौरान विद्यार्थियों को कक्षा शिक्षण, लैब प्रैक्टिकल्स तथा ऑपरेशन थिएटर एवं एनेस्थीसिया विभाग में वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान किया जाता है। इंटर्नशिप के दौरान छात्र ओटी सेटअप, एनेस्थीसिया मशीनों का संचालन, लाइफ सपोर्ट इक्विपमेंट्स की मेंटेनेंस, सर्जिकल उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया तथा मरीज की प्री ऑपरेटिव देखभाल जैसे महत्त्वपूर्ण कौशलों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, कई संस्थान विद्यार्थियों को केस स्टडी, वर्कशॉप्स, सिमुलेशन-बेस्ड ट्रेनिंग एवं रिसर्च प्रोजेक्ट्स जैसे माध्यमों से उन्नत व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। इस दौरान तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, टीमवर्क, रोगी सुरक्षा और पेशेवर संवेदनशीलता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

रोजगार के बेहतरीन अवसर

- बहु-विशेषता अस्पताल
- सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय
- आईसीयू / एनआईसीयू / क्रिटिकल केयर इकाई
- आपातकालीन एवं ट्रॉमा देखभाल सेवाएं
- दर्द प्रबंधन इकाइयां
- केन्द्रीय स्टरल सप्लाई विभाग एवं संक्रमण नियंत्रण
- सशस्त्र बल / ईएसआईसी / रेलवे चिकित्सा सेवाएं
- चिकित्सा उपकरण उद्योग

यह सिखाया जाता है इंटर्नशिप में : *इंटर्नशिप के दौरान छात्र वास्तविक अस्पतालों में कार्य करते हुए लाइव क्लिनिकल अनुभव प्राप्त करते हैं, जहां उन्हें ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में सेटअप, स्टरलाइजेशन और उपकरणों के संचालन, एनेस्थीसिया विभाग में IV लाइन लगाना, एयरवे मैनेजमेंट और दवाओं की तैयारी, आईसीयू/ सीसीयू/ एनआईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट एवं क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग, इमरजेंसी एवं ट्रॉमा में बीएलएस-एसीएलएस तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया, सीएसएसडी में उपकरणों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया एवं ओटी एसेप्सिस और पेन क्लिनिक में सेडेटिव व एनाल्जेसिक प्रक्रियाओं में सहायता जैसे कौशलों का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक वर्षीय क्लिनिकल प्रैक्टिस छात्रों को वास्तविक अस्पताल-परिस्थिति में दक्ष बनाकर उन्हें एक कुशल, व्यावहारिक और अस्पताल-योग्य प्रोफेशनल के रूप में तैयार करती है।*

कोर्स की योग्यता

इस कोर्स में प्रवेश के लिए छात्र को 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) में न्यूनतम 50/55% अंकों के साथ पास होना चाहिए। सरकारी संस्थानों में केवल प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही दाख़िला होता है। आज कई निजी संस्थान भी यह कोर्स संचालित कर रहे हैं, लेकिन छात्रों को संस्थान चुनते समय उसकी मान्यता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। चूंकि यह कोर्स तकनीकी और मरीजों के सीधे संपर्क से जुड़ा है, इसलिए व्यवहारिक ज्ञान इसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- पीजीआईएमएस रोहतक (पंडित भगवत दयाल शर्मा स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक)
- पी.जी.आई. चंडीगढ़ (पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़)
- जेआईपीएमईआर (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुदुचेरी)
- जीएमसीएच चंडीगढ़। (शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, चंडीगढ़)
- एसजीपीजीआईएमएस (संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ)
- एम्स दिल्ली(अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली)
- एम्स भोपाल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल)
- एम्स बिभीनगर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिभीनगर, तेलंगाना)
- एम्स देवघर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर
- एम्स गोरखपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गोरखपुर)
- एम्स जोधपुर (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर)
- जामिया हमदर्द (जामिया हमदर्द (विमुक्त विश्वविद्यालय), नई दिल्ली)

वेतनमान के लिये ये श्रेणी

- **फ्रेशर**: 25,000 रुपये से 35,000 रुपये तक
- **सरकारी अस्पतालों में प्रारंभिक वेतन**: लगभग 60,000 रुपये प्रतिमाह से शुरू होता है।
- **अनुभवी (3–5 वर्ष)**: 45,000 रुपये से 70,000 रुपये तक
- **सुपर स्पेशियलिटी/सीनियर**: 80,000 रुपये से 1,20,000+ रुपये तक संभव
- **विदेश में भी मौके** : 2–4 लाख रुपये प्रतिमाह तक संभव

गर्व का करियर

यदि आप बिना एमबीबीएस किए ही मेडिकल फील्ड में सीधा क्लिनिकल योगदान देना चाहते हैं, तो (बी.एससी. इन एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी) का कोर्स आपके लिए एक उत्कृष्ट और सम्मानजनक करियर विकल्प हो सकता है। यह प्रोफेशन न केवल तकनीकी दक्षता सिखाता है, बल्कि मरीज की जान बचाने वाली टीम का अभिन्न हिस्सा बनने का गर्व भी देता है। इस काम को करके आप एक अलग ही अनुभव महसूस करेंगे और अपने करियर को उड़ान दे सकेंगे। सर्जरी की सफलता और मरीज की सुरक्षा में एओटीटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य है। यही कारण है कि इन्हें सही मायनों में ऑपरेशन थिएटर के सच्चे हीरो कहा जाता है। अतः आप भी इस करियर विकल्प को अपनाकर पर्दे के पीछे के हीरो बनकर लोगों की जान बचाने में अहम योगदान दे सकते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का महत्व और सूर्य की तरह चमकने का रहस्य

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

भारत एक ऐसा देश है जहां त्योहार न केवल खुशियां बांटते हैं, बल्कि जीवन के गहन सबक भी सिखाते हैं। हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में दीपावली और छठ पूजा विशेष स्थान रखते हैं। दीपावली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है, जबकि छठ सूर्य देव और प्रकृति की उपासना का प्रतीक है। ये त्योहार छात्रों के लिए न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को समझने और जीवन में सूर्य की तरह चमकने का मार्गदर्शन भी करते हैं। इस लेख में हम करेंगे कि छात्र इन त्योहारों से क्या सीख सकते हैं, प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता क्या है और कैसे वे अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकते हैं। भारत वो मिट्टी है जहाँ त्योहार सिर्फ़ उत्सव नहीं, मां की गोद जैसे हैं जो गले लगाकर सिखाते हैं कि ज़िंदगी का असली प्रकाश बाहर नहीं, अंदर जलता है। दीपावली और छठ... ये दो नाम सुनते ही आंखों में चमक और दिल में एक गुदगुदी सी होती है।

अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है

दीपावली वो मां है जो कहती है, "बेटा, अंधेरा चाहे कितना गहरा हो, एक दीया काफी है"। छठ वो दादी है जो नदी किनारे खड़ी होकर फुसफुसाती है, "सूरज को धन्यवाद देना, क्योंकि वो रोज़ तेरे लिए उगता है। ये त्योहार छात्रों के लिए सिर्फ़ छुट्टी नहीं दिल की क्लासरूम हैं। जहां प्राकृतिक संसाधन कोई सब्जेक्ट नहीं, सांसें हैं। और सूर्य की तरह चमकना कोई ड्रीम नहीं, विरासत है।

दीपावली: जब मां की हंसी दीयों में उतर आती है कार्तिक की अमावस्या। अयोध्या में राम लौटे थे। माँ सीता की आंखों में आंसू थे खुशी के। और आज? तुम्हारी माँ रसोई में दीये सजाती है। उसकी उँगलियाँ मिट्टी को छूती हैं। वो मिट्टी, जो तुम्हारे गाँव की है। वो तेल, जो खेतों से आया। वो बाती, जो दादी ने हाथ से काता।

दिल को छूने वाले सबक: 1. प्रकाश का महत्वः एक दीया जलता है तो लगता है, माँ की गोद में सोने जैसा सुकून। वो बताता है साधारण चीज़ों में भी जादू है। बिजली चली जाए तो क्या? तुम्हारा हौसला तो जल रहा है ना? आज की बिजली की बर्बादी देखकर मां रोती है। तुम बचाओ उसकी आँखों के आंसू बचेंगे।

2. **स्वच्छता और तैयारी**: दीवाली से पहले मां कहती है, "घर साफ़ करो, दिल भी साफ़ हो जाएगा"। परीक्षा का पेपर हो या जीवन का इम्तिहान सफ़ाई से शुरूआत होती है।

3. **साझेदारी और दान**: लक्ष्मी पूजन के बाद मां पड़ोसन को मिठाई देती है। "बेटा, जो बांटोगे, वही बढ़ेगा"। तुम्हारे नोट्स, तुम्हारा समय बांटो। एक दिन कोई तुम्हें अपना सूर्य बनाएगा।

छठ पूजा: जब नदी मां बनकर गाती है

बिहार की घाट। सुबह 4 बजे। ठंडी हवा। माँ सूप लिए खड़ी हैं। सूरज को पहला अर्घ्य। उस पल सूरज नहीं, माँ की आँखें चमकती हैं।

दिल को पिघला देने वाले सबक

1. **प्राकृतिक संसाधनों की पूजा**: ठेकुआ में गुड़ की मिठास, गन्ने में खेत की खुशबू, नारियल में समंदर की लहर। ये सब मां की थाली में हैं क्योंकि प्रकृति मां है। जल संकट में जब गाँव की नदी सूखती है, माँ की आँखें सूखती हैं। तुम बचाओ मां की मुस्कान बचाओ।

2. **कठिनाई में धैर्य**: 36 घंटे का निर्जला व्रत। मां कहती हैं, "बेटा, दर्द में भी धैर्य रखो"। **JEE** की रातें, इंटरव्यू की घबराहट याद रखो, माँ खड़ी थीं नदी में, तुम भी खड़े रहोगे।

3. **स्वास्थ्य और शुद्धता**: ठेकुआ खाकर मां कहती हैं, "शुद्ध खाओ, शुद्ध सोचो"। जंकफूड छोड़ो। मां की थाली में स्वास्थ्य है, इंस्टाग्राम में नहीं।

दीपावली और छठ जैसे त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन दर्शन हैं। छात्र इनसे प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान, अनुशासन, धैर्य और सकारात्मकता सीख सकते हैं। आज के डिजिटल युग में जहां बच्चे स्क्रीन से चिपके रहते हैं, ये त्योहार उन्हें प्रकृति से जोड़ते हैं। आइए, इन त्योहारों को मनाते हुए वादा करें कि हम संसाधनों की रक्षा करेंगे और सूर्य की तरह चमककर देश का भविष्य उज्ज्वल बनाएंगे।

प्राकृतिक संसाधनों की प्रासंगिकता: मां की गोद ख़तरे में

सूर्य की तरह चमकने का रहस्य: मां का आशीर्वाद सूरज रोज़ उगता है, क्योंकि मां रोज़ प्रार्थना करती है।"

सकारात्मक ऊर्जा: सूरज कभी नहीं कहता—"आज थक गया हूं"। तुम भी मत कहो। मां की लोरी में ताकत है।

ज्ञान का प्रकाश: दीपावली का दीया मां की आंखों की चमक। पढ़ो, ताकि अज्ञानता का अंधेरा भागे।

स्वास्थ्य और अनुशासन: छठ का उपवास, मां का **detox**। योग करो। सुबह उठो। मां की थाली में जादू है।

सामान्य ज्ञान

1. किसे कंप्यूटर का पितामह कहा जाता है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) जोसेफ जैक्युर्ड

2. कम्प्यूटर के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) वान न्यूमन

3. प्रथम अंकीय कम्प्यूटर के ब्लू प्रिंट के विकास में सर्वाधिक योगदान किसका है
(ए) हरमन होलेरिथ
(बी) चार्ल्स बेबेज
(सी) बेल्स पास्कल
(डी) विलियम बुरोस

4. सर्वप्रथम आधुनिक कम्प्यूटर की खोज कब हुई
(ए) 1946 ई.
(बी) 1950 ई.
(सी) 1960 ई.
(डी) 1965 ई.

5. कम्प्यूटर की भौतिक बनाबट कहलाती है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) फर्मवेयर
(डी) ह्यूमन वेयर

6. कम्प्यूटर के संचालन में प्रयुक्त प्रोग्राम.नियम तथा कम्प्यूटर क्रियाओं से सम्बन्धित अन्य लिखित सामग्री को कहा जाता है
(ए) सॉफ्टवेयर
(बी) हार्डवेयर
(सी) नेटवर्क
(डी) फर्मवेयर

7. कम्प्यूटर का नियंत्रक भाग कहलाता है
(ए) प्रिंटर
(बी) कुंजी पटल
(सी) **CPU**
(डी) हार्ड डिस्क

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(बी) 4.(ए) 5.(बी) 6.(ए) 7.(सी)

खबर संक्षेप

सनातन धर्म उत्थान का राष्ट्रीय अधिवेशन आज से

कनीना। सनातन धर्म उत्थान समिति का दो दिवसीय अधिवेशन आठ नवंबर से शुरू होगा। गांव गोमली निवासी एवं सनातन धर्म उत्थान समिति के प्रदेश संयोजक रामरतन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष योग तीर्थ स्वामी आत्मानंद सरस्वती के सानिध्य में आठ से नौ नवंबर को उदयपुरवाटी झुंझुनूं में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन में देश-प्रदेश से जुटे पदाधिकारी समाज उत्थान को लेकर मंथन करेगें।

स्कूल में मनाई वंदे मातरम गीत की वर्षगांठ

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के मार्गदर्शन में तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्म सिंह के नेतृत्व में वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन किया गया, जिसमें सभी स्टाफ सदस्यों, स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों ने भाग लिया। धर्म सिंह ने कहा कि वंदे मातरम गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार द्वारा देश में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम सात नवंबर से 14 नवंबर तक आयोजित किया जा रहे हैं।

शूर सैनी जयंती को लेकर शुरू की तैयारियां

नारनौल। आगामी 16 नवंबर को नई अनाज मंडी में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष में होने वाले इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के कोने-कोने से नागरिकों का आगमन होगा। इन्हीं तैयारियों को लेकर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कार्यक्रम स्थल का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया।

बाबूराम के निधन पर शोक व्याप्त

मंडी अटेली। पत्रकार विनोद शर्मा के पिता बाबूराम का बीमारी के चलते शुक्रवार को देहान्त हो गया। वे 85 वर्ष के थे। शांत स्वभाव व मिलनसार बाबूराम पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे, उनको उपचार के लिए नारनौल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अन्तिम सांस ली। वे अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार छोड़ गए। कस्बे के अनेक गणमान्य लोगों शोक व्यक्त किया है।

कुरुक्षेत्र में होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में हरियाणा के प्रत्येक जिले से सरकारी स्कूल के नौंवी से 12वीं कक्षा से 272 विद्यार्थी पहुंचेंगे

सरकारी स्कूल में नौंवी से 12वीं के विद्यार्थी करेंगे कुरूक्षेत्र में गीता भ्रमण, साथ ही गीता महोत्सव के कार्यक्रम क्राफ्ट मेला, पुरूषोतम बाग की आरती, पुस्तक मेला, विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम व दियोत्सव आदि भी शामिल होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कुरूक्षेत्र में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव–2025 में हरियाणा के प्रत्येक जिला से सरकारी स्कूल के नौंवी से 12वीं कक्षा से 272 विद्यार्थी पहुंचेंगे। हरियाणा में ऐसे 14 जिला होंगे, जहां से आने वाले विद्यार्थी व अन्य स्टाफ का दो रात्रि ठहराव होगा। बाकी आठ जिलों का एक दिन का रात्रि ठहराव किया जाएगा। आवागमन, रहना व भोजन संबंधित सभी व्यवस्था शिक्षा विभाग करेगा। इसके लिए कुरूक्षेत्र डीईओ को प्रदेश का नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके पास ही सभी जिलों को बच्चों सहित स्टाफ जो इस गीता महोत्सव में आएंगे, डिटेल भेजनी होगी। खास बात यह है कि इस महोत्सव के अलावा विद्यार्थी ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर के अतिरिक्त कुरूक्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थल जिसमें श्रीकृष्णा म्यूजियम, पनोरामा, हरियाणा धरोहर, शेख चिल्ली मकबरा, हर्ष का टीला, कल्पना चावला प्लेनीटोरियम तथा इसके साथ–साथ इस दौरान गीता महोत्सव के कार्यक्रम क्राफ्ट मेला, पुरूषोतम बाग की आरती, पुस्तक मेला, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, दियोत्सव आदि भी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम कक्षा नौंवी से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अति महत्वपूर्ण है, जिसमें शैक्षणिक भ्रमण के सभी पहलू जैसे सीखना, देखना, समझना, अनुभव करना शामिल है तथा उस पर फिर संस्मरण लिखना संभव है क्योंकि यह पर्यटन केवल धार्मिक यात्रा नहीं है बल्कि इनमें इतिहास, भूगोल, पर्यावरण, प्रबंधन, क्रियान्वयन, विज्ञान एवं संस्कृति, गणित एवं वाणिज्य सभी विषय जुड़े है। इसके लिए दो–तीन दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। दूरी, सर्दी एवं धुंध की विभीषिका के मद्देनजर ऐसे जिले जिनकी कुरूक्षेत्र से दूरी अधिक है, उनके लिए दो रात्रि ठहराव तथा जो जिले कुरूक्षेत्र जिले के समीप है, उनके लिए एक रात्रि ठहराव के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

15 नवंबर से पहले सांझा करनी होगी सूची

भ्रमण के लिए जिल से जाने वाले विद्यार्थियों व अध्यापकों की सूची 15 नवंबर से पूर्व कुरूक्षेत्र जिला शिक्षा विभाग के साथ साझा करनी होगी। इसके लिए गूगल फार्म सांझा किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों का विवरण जैसे नाम, एसआरएन, कक्षा, मोबाइल नंबर, विद्यालय का नाम इत्यादि प्राप्त हो सके। इसी सिलसिले में कुरूक्षेत्र डीईओ प्रदेश के सभी डीईओ के साथ 10 नवंबर को वीडियो कांफ्रेंस करें।

सभी जिलों को राशि जारी की जा चुकी

शैक्षणिक भ्रमण के लिए कक्षा नौंवी से 12वीं के विद्यार्थियों तथा उनके साथ जाने वाले अध्यापकों को जिला वाइज बांटा गया है। एक जिला से 138 छात्र, 138 छात्राएं, 10 अध्यापक, 10 अध्यापिकाएं और दो संयोजक होंगे। कुल मिलाकर एक जिला से 298 का ग्रुप होगा। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए ठहरने, भोजन, जलपान, स्थानीय भ्रमण, अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम स्थलों, संग्रहालय भ्रमण आदि के लिए कुरूक्षेत्र जिला शिक्षा विभाग को नोडल बनाया गया है ताकि सभी जिला से समन्वय करके विभागीय नियमों का पालन करते हुए कमेटियों का समुचित गठन करके पारदर्शिता से इस शैक्षणिक भ्रमण का प्रबंध करें। प्रत्येक जिले से कुरूक्षेत्र तक की ट्रांसपोर्ट का कार्य संबंधित जिले के द्वारा किया जाना है, जिसके लिए सभी जिलों को राशि जारी की जा चुकी है।

क्या कहते है डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि इस संबंध में पत्र मिल चुका है। सभी बीईओ के मार्फत स्कूलों से बच्चों की सूची तैयार करवाई जा रही है। कुरूक्षेत्र में बच्चों को जहां गीता महोत्सव में भागीदारी रहेगी, वहीं महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम स्थल, संग्रहालय भ्रमण भी होगा।

जिले में राष्ट्रभक्ति, एकता-सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत तथा गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित हुए कार्यक्रम

नागरिकों ने पीएम नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन सुना

वंदे मातरम केवल गीत नहीं यह राष्ट्र की आत्मा : : कैप्टन मनोज कुमार

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर एक साथ गूंजा राष्ट्र की आत्मा 'वंदे मातरम'

नारनौल। प्रदर्शनी का अवलोकन करते डीसी व कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं व प्रतियोगिताओं में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे होने पर जिला में शुक्रवार को चहूंओर मां भारती को समर्पित और राष्ट्र भक्ति के भाव से भरे गीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई दी। वन्दे मातरम् के स्मरणोत्सव के तहत जिला स्तर का कार्यक्रम सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। इस अवसर पर नागरिकों ने बड़ी एलईडी के जरिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार यह कार्यक्रम उपमंडल, खंड तथा गांव स्तर तक राष्ट्रभक्ति, एकता और सांस्कृतिक गौरव से ओतप्रोत तथा गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किए गए। उपायुक्त ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं यह राष्ट्र की आत्मा, पहचान और गौरव है। सात नवंबर 1875 को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे रचा था। उस वक्त इसी गीत ने पूरे देश में राष्ट्र प्रेम का उद्घोष जगा था। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया।

पीजी कॉलेज इतिहासकार डॉ. अमित कुमार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इतिहास पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुई तथा समापन हरियाणा के राज्य गीत के साथ हुआ। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, सीटीएम डॉ. मंगल सेन, नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, डा. पूर्ण प्रभा, आईटीआई के चेयरमैन सुरेश चौधरी, प्रिंसिपल विनोद खनगवाल, नित्यानंद यादव, वासुदेव यादव आदि मौजूद थे।

जाना 'वंदे मातरम' का गौरवशाली इतिहास

वंदे मातरम गीत के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसका विषय राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का प्रेरणादायक इतिहास था। इस अनूठी पहल के तहत आम नागरिकों और विशेष रूप से विद्यार्थियों को यह जानने का अवसर मिला कि कैसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से निकला यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र प्रेम का उद्घोष बन गया।

युवाओं की प्रस्तुति में दिखी हरियाणवी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा

नारनौल। जिला प्रशासन तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग की ओर से सभागार में विकसित युवा - विकसित भारत थीम पर चले दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव का शुक्रवार को भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार मुख्य अतिथि रहे जबकि संध्याकालीन सत्र में अतिरिक्त उपायुक्त उदय सिंह मौजूद रहे। सभागार भवन के प्रांगण में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने नवाचार ट्रैक (साइंस मेला) के तहत जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में अपने नवाचारी प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, संगीत तथा भाषण प्रतियोगिताओं में हरियाणा की सामर्थ परंपरा की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल राजकीय आईटीआई ने समापन कार्यक्रम में सभी का आभार जताया। इस मौके पर मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा व सिमरन चौहान ने किया। इस मौके पर आईटीआई के चेयरमैन सुरेश चौधरी, डीएचई की नोडल अधिकारी डॉ पूर्ण प्रभा के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

ये है दो दिवसीय युवा महोत्सव का परिणाम

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला युवा महोत्सव-2025 में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों और संस्थानों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में ईक्लब्या सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि ईशा दूसरे स्थान पर और परी यादव तीसरे स्थान पर रहीं। इसी तरह समूह लोक गीत में नेहा शर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया, तनसु दूसरे स्थान पर रहीं और हरीश ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जोनल यूथ फेस्टिवल झूमर की तैयारियां जोरों पर

महेंद्रगढ़। आरपीएस इंजीनियरिंग कॉलेज बलाना में प्रकृति की हरी भरी वादियों के बीच अरावली शैल मालाओं की गोद में जोनल यूथ फेस्टिवल झूमर की खास तैयारियां चल रही हैं। विद्यार्थियों का विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कॉलेज निदेशक डॉ. महेश कुमार यादव ने बताया कि इस बार इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर ने जोनल यूथ फेस्टिवल का आयोजन कराने के लिए आरपीएस इंजीनियर कॉलेज को चुना है, जिसे झूमर नाम दिया गया है। झूमर के संयोजक प्रो. राजेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि इस दौरान ड्रामा, संगीत, लिटरेरी, आर्ट एंड क्राफ्ट, थिएटर तथा नॉन कॉम्पिटेटिव श्रेणियों की कुल मिलाकर 46 प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र सिंह यादव ने बताया इस बार महेन्द्रगढ़ जोन के करीब 30 कॉलेजों से 3000 से अधिक छात्रों के आने का अनुमान है।

महेंद्रगढ़। जोनल यूथ फेस्टिवल की तैयारी करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज ने इंटर कॉलेज शतरंज में बेहतर प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज बालाना की शतरंज टीम ने हाल ही में आयोजित इंटर कॉलेज शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से आयोजित की गई, जिसमें टीम खिलाड़ी हर्ष, अर्पित, नितिन, लक्की ने असाधारण रणनीतिक कौशल और मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया तथा फाइनल तक का सफर तय किया। इस शानदार उपलब्धि पर कॉलेज के चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की प्रतिभा और समर्पण को दर्शाती है। हम युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ साथ खेल में भी सर्वश्रेष्ठ मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह रजत पदक कॉलेज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विजय इंटरनेशनल स्कूल में वंदे मातरम का जश्न

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल में हाल ही में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों ने वंदे मातरम के इतिहास और महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की और इसके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। छात्रों ने एक साथ मिलकर वंदे मातरम का गायन किया और इसके महत्व को समझा। विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह ने छात्रों को वंदे मातरम के इतिहास और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने वंदे मातरम के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और इसके महत्व को समझा। छात्रों के लिए निबंध और कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने वंदे मातरम के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें वंदे मातरम के महत्व को दर्शाया गया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

सीएल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

नारनौल। सीएल स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ-चढ कर भाग लिया। इस दौरान छोटे बच्चों की बॉक्स एंड बॉल गेम विद मदर, बनाना रेस, बॉल बैलेंस रेस, जॉम्बी रेस व बडे बच्चों की 100 मीटर रेस , 200 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, रिले रेस, शैक रेस, बैलून रेस, शार्टपुट, भालाफेक आदि ईवेंट आयोजित हुए। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल ऐजुकेशन (भिवानी) के चेयरमैन पवन कुमार शर्मा के आगमन पर उनका स्वागत संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता, प्राचार्य रविन्द्र यादव, स्वराज सिंह यादव, मोनिका कौशल द्वारा किया गया। मुख्यातिथि के स्वागत में बच्चों से बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतिया दी, जिसमें गिलीरिटंग डांस, क्लाशिक डांस ने सभी का मन मोह लिया। इसके साथ साथ बच्चों द्वारा योगा और मार्शल आर्ट की प्रस्तुतियां भी दी।

गैलेक्सी स्कूल में अंग्रेजी व्याकरण पर क्विज प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। गैलेक्सी स्कूल बवानिया में अंग्रेजी व्याकरण विषय पर क्विज प्रतियोगिता प्रधानाचार्य करन सिंह के दिशा–निर्देश के अनुसार करवाई गई। इस प्रतियोगिता में कक्षा पांचवी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस क्विज में विभिन्न गवर्नमेंट एग्जाम में पूछे गए प्रश्नों को शामिल किया गया, ताकि विद्यार्थी 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आसानी से गवर्नमेंट एग्जाम क्वालीफाई कर सकें। प्राचार्य ने बताया कि व्याकरण अंग्रेजी बोलने, लिखने या पढ़ने की एक कुंजी है। व्याकरण वाक्यों को पठनीय एवं शुद्ध बनाता है। इस क्विज प्रतियोगिता करवाने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न गवर्नमेंट एग्जाम पेपर पैटर्न के बारे में अवगत कराना था।

एफसीसी की बैठक : कूड़ा निपटान के लिए दो वाहन लगाए

30 लाख के 4 विकास कार्यों को दी मंजूरी

गंदे पानी निकासी के लिए दो जोहड़ में लगवाई जाएंगी मोटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगरपालिका कार्यालय में शुक्रवार को एफसीसी (फाइनेंशियल कांटेक्ट कमेटी) की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बैठक में फाइनेंस कमेटी की सदस्य चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा, सचिव कपिल कुमार, एमई दिनेश कुमार, वाइस चेयरमैन सूबेसिंह, सदस्य नितेश गुप्ता व उषा देवी ने भाग लिया। बैठक में विभिन्न विकास कार्यो को करवाने के लिए लिए चर्चा हुई। विचार विर्मश के बाद प्राथमिकता के किए जाने वाले चार कार्यों को मंजूरी दी गई। इन कार्यों पर तीस लाख रुपये का व्यय होगा। डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि आवारा पशुओं-जानवरों, कुत्तों के प्रजनन को नियंत्रित करने तथा उन्हें स्कूल आदि से दूर शेल्टर होम में रखने की व्यवस्था की जाएगी। जिस पर छह लाख रुपये खर्च किए जाएगे। इसके अलावा नगर पालिका के डंपिंग यार्ड में वर्क ऑर्डर के अलावा बचे हुए कूड़े के निष्पादन का कार्य पूरा कराया जाएगा। जिस पर 12.50 लाख रुपये का खर्च होगा। इसी प्रकार वार्डों से कूड़ा उठान एवं निपटान के लिए 31 दिसंबर तक दो ट्रेक्टर-टॉली हायर की जाएगी। जिस पर 2.10 लाख रुपये का व्यय होगा। गंदे पानी की निकासी के लिए होली वाला एवं कॉलर वाला जोहड पर चेंबर बनाकर 10 लाख की लागत से बिजली आधारित दो मोटर लगाई जाएगी। जो गंदे पानी को लिफ्ट कर एसटीपी भेजने का कार्य करेगी।

डॉ. रिम्पी लोढ़ा।

कनीना में 700 लाइट लगाई जाएगी

नपा चेयरपर्सन ने कहा कि नपा क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर किए जाने वाले कार्य पर पार्षदों से भी राय ली गई थी। जिन्होंने अपने-अपने वार्ड में होने वाले कार्यों को सदन में रखा था। उन्होंने बताया कि कनीना में गंदे पानी की निकासी का सबसे अहम पहलू था, जिस पर नपा प्रशासन की ओर से शीघ्रता से कार्य शुरू किया गया था। उनका मानना है कि नगर वासियों को इस समस्या से जल्द ही छुटकारा मिलेगा। कनीना में 700 लाइट लगने के बाद कस्बा जगमग नजर आएगा। वहीं बंदर पकड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

आरपीएस महेंद्रगढ़ के छह छात्रों ने सीए में लहराया सफलता का परचम

- आरपीएस के पवन ने सीए में 19वीं ऑल इंडिया रैंक किया प्राप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा घोषित सीए परीक्षा परिणाम में प्रतिष्ठित आरपीएस विद्यालय महेंद्रगढ़ के छह विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के पवन ने सीए में 19 वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर एतिहासिक प्रदर्शन किया। आरपीएस ने सीबीएसई बोर्ड, एनडीए, नीट, जेइइ मेंस, जेइइ एडवांस, और क्लेट जैसी परीक्षाओं के बाद अब वाणिज्य संकाय में प्रतिष्ठित क्षेत्र सीए में भी अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है। इस गौरवशाली अवसर पर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी, पीजीटी विंग हैड देवेंद्र पुनिया, कामर्स हेड शिव कौशिक, विजेता कौशिक, मुकेश यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियों के बाद, अब आरपीएस के विद्यार्थी वाणिज्य की परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गिनी जाती है और इसमें सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती अत्यंत आवश्यक है।

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी जतिन उर्फ मुन्ना। फोटो : हरिभूमि

अवैध हथियार सहित दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर रेड करके अवैध हथियार सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजस्थान जिला खैरथल तिजार के उजौली निवासी नवीन कुमार उर्फ अण्ड़ा व दिल्ली गेट गोल चक्कर निवासी जतिन उर्फ मुन्ना के रूप में हुई है। गत 6 नवंबर को सीआईए धारूहेड़ा पुलिस टीम ने नवीन कुमार उर्फ अण्ड़ा निवासी गांव उजौली जिला खैरथल तिजारा राजस्थान को देसी कट्टा सहित सहगल पेपर मिल धारूहेड़ा, नजदीक एनएच-48 जयपुर से दिल्ली हाइवे के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पैसे मांगने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

डहीना। डहीना चौकी पुलिस ने गांव बुडौली निवासी एक व्यक्ति को श्याम बाबा ले जाने की बात कहकर जबरन पैसे मांगने के मामले में दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मितलेश निवासी गांव बजाड़ जिला महेंद्रगढ़ हाल आबाद गांव झामुवास जिला नूंह, ज्योति निवासी गांव बुडोली, कपिल निवासी बुडोली व केशव निवासी गांव बजाड़ जिला महेंद्रगढ़ हाल आबाद गांव झामुवास जिला नूंह के रूप में हुई है।

कब बुलबुल शाखा के कैंप में 67 यूनिट रक्त एकत्रित

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य भारत स्कॉउट्स एवं गाइड्स की कब बुलबुल जिला शाखा की ओर से शुक्रवार को 25वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगराधीश जितेंद्र कुमार ने किया। रक्तदान शिविर में 10 महिलाओं सहित कुल 67 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का आयोजन किड्जी स्कूल अमंगनी सोसाइटी रेवाड़ी में किया गया।

टूटी नप चेयरमैन की नींद, अस्पताल निर्माण पर आई शहर की याद, समानांतर आंदोलन की कवायद

- रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर चल रहा धरना, क्रमिक अनशन शुरू होने के बाद अस्पताल शहर में ही रखने की मांग तेज

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

सरकारी अस्पताल भवन को शिफ्ट करने की योजना के बाद जून माह में रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर शुरू किए आंदोलन के समानांतर आंदोलन की कवायद शुरू हो गई है। अस्पताल में शहर में ही रखने की मांग पर लगभग पांच माह से चुप्पी साधे रहीं नगर परिषद चेयरमैन पूनम यादव को भी शायद अब शहर के लोगों की चिंता सताने लगी है। अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर अंदरखाने राजनीति तेज हो गई है। यह मामला एक तरह से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और उनकी बेटी आरती राव के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। रामगढ़ भगवानपुर में जून माह में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर धरना उस समय शुरू हुआ था, जब ग्रामीणों को अस्पताल किसी अन्य गांव में शिफ्ट करने की योजना की भनक लग गई थी। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अगर रामगढ़ भगवानपुर की पंचायत वाटर टैंक निर्माण के लिए सरकार को जमीन देती है, तो अस्पताल भी उनके गांव में ही बनवाया जाएगा। ग्राम पंचायत पर सरकार को लगभग 10 एकड़ जमीन वाटर टैंकों के निर्माण के लिए दे दी थी। सीएम नायब सिंह सैनी के आगमन पर ग्रामीणों को जब इस बात की भनक लगी कि अस्पताल उनके गांव में नहीं बनेगा, तो उन्होंने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह से मिलने का प्रयास किया। राव ने दिल्ली में मीटिंग निर्धारित होने की बात कहते हुए ग्रामीणों से मिलने से मना कर दिया था। इसी के बाद ग्रामीण राव को निशाने पर लेते हुए धरने पर बैठ गए थे। पहले ग्रामीणों ने धरना शुरू किया हुआ था। इसके बाद हाल ही में क्रमिक अनशन शुरू किया गया है। यह बात और है कि ग्रामीणों के इस आंदोलन में वह लोग भी कूद चुके हैं, जिनकी राजनीति हमेश 'विरोध' पर आधारित रहती है। जहां भी सरकार या सत्तापक्ष के नेताओं के खिलाफ कोई आंदोलन होता है, विरोध करने वाले लोग 'बिना बुलाए मेहमान' की तरह उसमें कूद पड़ते हैं।

रेवाड़ी। आंदोलन के 144वें दिन धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

सीएम से मुलाकात से पहले दबाव शुरू

चेयरमैन पूनम यादव से लेकर विधायक तक ने इस मामले में चुप्पी साधे रखी। राव समर्थक शहर के लोगों ने पहले एक बार जिला मुख्यालय पर अस्पताल बरकरार रखने की मांग उठाई थी, जिस पर राव भी सहमति जता चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि सीएम के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले शहर के लोगों की मांग को भी उन तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि रामगढ़ भगवानपुर के आंदोलन के जीत राव की राजनीतिक हार का कारण साबित नहीं हो जाए। ऐसे में आने वाले दिनों में राव खेमे से जुड़े लोग अस्पताल भवन को शहर में ही रखने की आवाज बुलंद कर सकते हैं।

अंदरखाने जोर पकड़ रही राजनीति

अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच अंदरखाने राजनीति भी जमकर हो रही है। धरने पर बैठने वाले लोग गत दिनों सीएम नायब सिंह से मिलकर अस्पताल का निर्माण उनके गांव में कराने की मांग कर चुके हैं। उनकी सीएम से 11 नवंबर को फिर से मुलाकात हो सकती है। अगर सीएम ग्रामीणों को अस्पताल निर्माण उनके गांव में ही कराने का आश्वासन देते हैं, तो इससे राव की प्रतिष्ठा पर आंच जरूर आएगी। राव रामगढ़ भगवानपुर गांव में अस्पताल की संभावनाओं को उसी समय खारिज कर चुके थे, जब महापंचाय में बाहर से आए लोगों ने उनकी बेटी के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

विधायक बोले राष्ट्रीय गीत स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चटर्जी की अद्भुत काव्य प्रतिभा, राष्ट्र प्रेम और आस्था की रचना

जिलेभर में एक साथ गूंजा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का स्वर, स्कूलों व कॉलेजों में मनाया स्मरण उत्सव

- वंदे मातरम वह मंत्र बना, जिसने हर देश वासी को गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की प्रेरणा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बाल भवन में आयोजित उत्सव में प्रस्तुति देते हुए छात्राएं और कार्यक्रम में मौजूद विधायक, अधिकारी व अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को बाल भवन में जिला स्तरीय स्मरण उत्सव का भव्य और गरिमामय आयोजन किया गया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर स्मरण उत्सव का शुभारंभ किया। समारोह में डीसी अभिषेक मीणा, पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा व भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली सहित अनेक गणमान्य नागरिक व अधिकारी मौजूद थे। बाल भवन के सभागार में दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अंबाला में आयोजित हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाया गया। जिले में उपमंडल, तहसील सहित विश्वविद्यालय, महा विद्यालय व सभी विद्यालयों में एक स्वर में एक साथ वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि हम सभी वंदे मातरम को जीवन का सूत्र वाक्य बनाएं। देशभर में मनाया जा रहा स्मरण उत्सव एक संस्कृति, एक चेतना और एक संकल्प का उत्सव भी है। यह गीत स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चटर्जी की अद्भुत काव्य प्रतिभा, राष्ट्र प्रेम और आस्था की रचना है। उनके शब्दों ने उस दौर में हर भारतीय के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्ज्वलित की, जब ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बोलना भी अपराध था। वंदे मातरम वह मंत्र बना, जिसने हर देश वासी को गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की प्रेरणा दी। यह गीत हमें याद दिलाता है कि भारत केवल भूगोल का एक नक्शा ही नहीं, बल्कि एक जीवंत धरती मां है, नदियां हमारे संस्कार और मिट्टी जीवन की सुगंध है। विधायक ने कहा कि हर नागरिक को संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने बच्चों और युवाओं के मन में राष्ट्र भक्ति, संस्कार और देश के प्रति संवेदना जगाएं, जो हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के मन में थी। युवा पीढ़ी को आत्मसात करना होगा कि वंदे मातरम एक गीत के साथ एक भावना है, जो हर भारतीय के मन में देश प्रेम की ज्योति प्रज्ज्वलित करती है। हरियाणा की पुण्य धरती जो कि वीरता, पराक्रम और बलिदान का प्रतीक है, आज भी देशभक्ति के उसी जोश के साथ भरी हुई है। युवा खेल, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के साथ लोक संस्कृति और राष्ट्र प्रेम में अग्रणी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने कहा कि आज पूरा राष्ट्र एक साथ वंदे मातरम का गायन कर रहा है, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। वंदे मातरम गीत उस समय में सभी देशवासियों की ताकत बना, आजादी के सपने देखना भी दुश्वार हो गया था। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि सभी लोग वंदे मातरम को जीवन का मूल मंत्र मानते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का विधायक सहित अन्य अतिथियों ने अवलोकन किया। स्मरण उत्सव में आरपीएस स्कूल धारूहेड़ा की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों में जोश भर दिया। उदयचंद्र ने मेरा भारत जैसा देश नहीं... गीत की शानदार प्रस्तुति दी।

ये मौजूद रहे

इसके अलावा कार्यक्रम में डा.ज्योत्सना यादव ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर इसके इतिहास के बारे में विस्तार से व्याख्यान किया। मंच संचालन सुधीर यादव ने किया। इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीडीपीओ एचपी बंसल, जिला बाल कल्याण अधिकारी वीरेंद्र यादव, डीडीपीओ एच पी बंसल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मा. हुकम चंद, भाजपा जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल, प्रवीन कुमार व नीतू चौधरी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सेमिनार में छात्राओं का करियर विकल्पों से परिचित कराकर किया मार्गदर्शन

बावल। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बावल में शुक्रवार को प्रेरणादायक काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका संचालन शिक्षा एवं करियर परामर्श के क्षेत्र में सक्रिय यतीश सिंघल ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों से परिचित कराना और उन्हें अपने भविष्य के लिए सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना था। यतीश सिंघल ने हाल ही में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओर से विश्व कप जीतने के उदाहरण से छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब हमारे देश की बेटियां खेल के मैदान में विश्व विजेता बन सकती हैं, तो आप सब भी किसी भी क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकती हैं। कार्यक्रम में टीम के सदस्य रमन, मनीष व श्रुति ने छात्राओं से संवाद करके उनके प्रश्नों का समाधान किया। प्रधानाचार्य लक्ष्मी नारायण गौड़ ने यतीश सिंघल एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में देवेंद्र कुमार यादव टीजीटी विज्ञान, कविता ब्यूटी एंड वेलनेस, सरोज बाला पीजीटी हिंदी, सुरेंद्र सिंह पीजीटी राजनीति विज्ञान, सुखबीर सिंह अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

प्रियंका का हरियाणा की सर्वश्रेष्ठ पीएलवी के रूप में चयन, आज अधिवेशन में करेगी प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- पूरे हरियाणा से बतौर पीएलवी केवल दो ही लोगों का चयन हुआ

प्रियंका यादव।

कानूनी साक्षरता दिवस पर नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट में कानूनी तंत्र को सुदृढ़ बनाने पर होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रियंका यादव बतौर सर्वश्रेष्ठ पीएलवी के रूप में रेवाड़ी का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रथम दिन 8 नवंबर अधिवेशन का उद्घाटन मुख्यातिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई व मुख्य संरक्षक नालसा भूषण रामकृष्ण गवई, जस्टिस सूर्यकांत कार्यकारी न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट व अध्यक्ष नालसा जस्टिस विक्रम नाथ न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट व अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा अर्जुन राम मेघवाल कानून व न्याय मंत्री भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा। दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 9 नवंबर को होगा। सीजेएम व डालसा सचिव अमित वर्मा ने प्रियंका यादव को बधाई देते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि पहली बार रेवाड़ी जिला इस राष्ट्रीय अधिवेशन का हिस्सा बनेगा। पूरे हरियाणा से बतौर पीएलवी केवल दो ही लोगों का चयन हुआ है, जिसमें एक रेवाड़ी जिले से है। यह प्रियंका की ओर से किए गए समाजहित में निस्वार्थ कार्यों और मेहनत का ही परिणाम है। प्रियंका ने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी मां सविता यादव और गुरु राकेश भार्गव व रजनी भार्गव को दिया है। एक कदम मानवता की ओर संस्था के अध्यक्ष राकेश भार्गव ने प्रियंका को अधिवेशन से बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा।

ये मौजूद रहे

पूर्व बाल कल्याण समिति चेयरपर्सन नलिनी यादव, पूर्व रेलवे अधिकारी अनुज भार्गव, रीता भार्गव, नगर पार्षद गिरीश भारद्वाज, रंगकर्मी सतीश मस्तान, पूर्व नगर पार्षद प्रदीप भार्गव, पूर्व प्राचार्य नरेश कुमार चंदेल, विनोद यादव, मनीष यादव, कैलाश चंद पूर्व प्राचार्य, महेश शर्मा, हरीश मलिक, दिनेश कपूर,अधिवक्ता ललिता भारती, पूर्व सुपरिटेंडेंट सरिता चुप, संगीता यादव, बाल संरक्षण ईकाई से करूणा यादव, प्रदीप यादव, सामाजिक संस्था अहीरवाल हैरिटेज की टीम से डा. सुशांत यादव, मुकेश सुल्तानिया, राहुल, सचिन इंजिनियर व अमन यादव ने भी प्रियंका यादव को बधाई दी है।

महेश यादव बने संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव

रेवाड़ी। यूपीएससी में उप सचिव बनने पर महेश यादव को बधाई देते हुए।

रेवाड़ी। शहर के सेक्टर-3 निवासी महेश यादव को केंद्र सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की ओर से अक्टूबर में जारी आदेश में पदोन्नत कर संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर पदस्थापित किया गया है। उन्होंने नए पद पर अपना चार्ज ग्रहण कर लिया है। इस पदोन्नति से पूर्व महेश यादव केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में अवर सचिव के पद पर कार्यरत थे। पदोन्नत होने पर प्रेम शरन, डा. हरीश वेटरनरी सर्जन जाटूसाना, रिटायर्ड लेबर कमिश्नर एसएन शर्मा और एमएस यादव सहित अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी। महेश यादव ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा सहित देशभर की प्रतिष्ठित सरकारी नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी करने, ग्रुप-ए अधिकारियों के अनुशासनात्मक मामलों में सलाह तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में पदोन्नति के मामलों को भी देखता है। पूर्व में वे केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों तथा इसके सम्बद्ध विभागों जैसे शिक्षा मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, दूरदर्शन निदेशालय, जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग आदि में अनुभाग अधिकारी और अवर सचिव के पद के अलावा बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर जैसे पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कोसली में राष्ट्रीय एकता एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई वंदे मातरम की वर्षगांठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली उपमंडल में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। शिक्षण संस्थाओं व सरकारी कार्यालयों में छात्र-छात्राएं, अधिकारी व कर्मचारी सुबह नौ बजे से दोपहर 11:15 बजे तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्मरण उत्सव कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े तथा वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। लघु सचिवालय परिसर में वंदे मातरम राष्ट्रगीत की वर्षगांठ के अवसर पर एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि आज से ठीक 150 साल पहले इस कालजयी गीत की रचना स्व. बंकिमचंद्र ने की थी। उस समय यह गीत लिखने की प्रेरणा उन्हें भारत के स्वर्णिम व वीरता भरे इतिहास से मिली थी।

रेवाड़ी। उपमंडल कार्यालय में राष्ट्र गीत का गायन करते एसडीएम व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर नायब तहसीलदार अशोक कुमार, उप अधीक्षक राजेश कुमार, नाजिर बीर सिंह, दल सिंह आर्य, धर्मेंद्र, ललित, किरण, सुनील कुमार व मनीष कुमार मौजूद थे।

वंदे मातरम गीत राष्ट्रीय एकता अखंडता का प्रतीक

रेवाड़ी। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को प्राचार्या डा. नम्रता सचदेवा की अध्यक्षता में बंकिम चंद्र चटर्जी की ओर से रचित वंदे मातरम के 150 वर्षीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी रेवाड़ी राजेश वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि पार्षद गिरीश भारद्वाज थे। कार्यक्रम संयोजक शिक्षाविद मनोज वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों ने वंदे मातरम के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गान किया। इस मौके पर प्राचार्या डा. सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय गीत भारत के जन जन का गौरव है। इस गीत ने हमारे क्रांतिकारियों में जोश भरकर उनको अपना पराक्रम दिखाने को प्रेरित किया।

रेवाड़ी। जाटूसाना गांव स्थित आईटीबीपी परिसर से मैराथन शुरू करते पदाधिकारी व जवान।

आईटीबीपी ने ओजस अभियान के तहत किया हॉफ मैराथन का आयोजन

कोसली। जाटूसाना गांव स्थित भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की 28वीं वाहिनी की ओर से शुक्रवार को ओजस-2025 अभियान के तहत 21.1 किलोमीटर की हॉफ मैराथन का आयोजन किया गया। शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उद्देश्य से जारी अभियान ओजस के अंतर्गत वाहिनी के सेनानी अशोक कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित मैराथन में भारत तिब्बत सीमा बल एवं अन्य वाहिनियों के 146 पदाधिकारियों ने भाग लिया। मैराथन वाहिनी मुख्यालय से शुरू होकर जाटूसाना रेल्वे स्टेशन, नांगल पठानी, कोसली रोड से गुड़ियानी होते हुए वापस वाहिनी मुख्यालय पहुंची। मैराथन में अलग-अलग आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सेनानी अशोक कुमार यादव ने पुरस्कृत किया। कार्यकम में अनुप कुमार उप सेनानी जीडी, सूबेदार मेजर दीपचन्द कस्वां एवं वाहिनी के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता प्रतियोगिता में श्लोकों के उच्चारण, प्रस्तुति और भाव को महत्व दिया गया

संस्कृत श्लोक पाठ में सुब्रोतो व कटारी सदन संयुक्त रूप से बने विजेता

- प्रतियोगिता में कक्षा 6 से सुब्रोतो सदन के कैडेट जय सोलंकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

रेवाड़ी। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

गांव गोठड़ा अहीर स्थित सैनिक स्कूल में कनिष्ठ समूह कक्षा 7 व 8 तथा कनिष्ठतम समूह कक्षा 6 की अंतरसदनीय संस्कृत श्लोक पाठ वाचन प्रतियोगिता का आयोजन सभी सदनों के बीच किया गया। प्रतियोगिता में श्लोकों के उच्चारण, प्रस्तुति और भाव को महत्व दिया गया। सभी वरिष्ठ सदनों के विभाजन अनुरूप श्लोक पाठ के लिए अलग-अलग विषय रखे गए, जिसके लिए विद्या, आत्मज्ञान, मित्रता, विवेकज्ञान, धार्मिक जीवन, ब्रह्मज्ञान, संग, निष्काम कर्म, दान, काल, स्वधर्म, कठिन सत्य आधारित विषयों का चयन किया गया, जिसमें नवागंतुक अठारह कैडेट्स ने अपनी प्रस्तुतियां दी। विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा प्रशासनिक अधिकारी मेजर जय सिंह राठौड़, उप-प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी व वरिष्ठ अध्यापक गजेंद्र सिंह चौहान भी मौजूद थे। प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका दुर्गा सिंह शेखावत, योगेश कुमार सिंघल टीजीटी हिंदी व शंभू रबिदास टीजीटी संस्कृत ने निभाई। कैडेट्स ने अपने शुद्ध उच्चारण, यति-गति, तथा भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों और निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। उन्होंने अपने आत्मविश्वास और स्पष्ट उच्चारण के साथ श्लोकों का पाठ किया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से सुब्रोतो सदन के कैडेट जय सोलंकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं कैडेट रिपुदमन परेरा सदन द्वितीय व कैडेट पीयूष मानेकशा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 व 8 के प्रतिभागियों में परेरा सदन की कैडेट एकता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही कैडेट हीरल कटारी सदन ने द्वितीय व कैडेट लक्ष्य गुप्ता कटारी सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कैडेट चिन्मय को श्लोक पाठ के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। समग्र परिणाम के आधार पर सुब्रोतो व कटारी सदन संयुक्त रूप से प्रथम तथा परेरा सदन ने द्वितीय व मानेकशा सदन ने तृतीय स्थान हासिल किया।

सभी का उत्साहवर्धन किया

इस मौके पर विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि यह एक आध्यात्मिक प्रतियोगिता थी। इस प्रतियोगिता ने न केवल छात्रों को संस्कृत भाषा के प्रति प्रेम और आदर सिखाया, बल्कि उन्हें अपनी संस्कृति के प्रति गर्व की भावना से भी भर दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों और व्यापक समुदाय के बीच संस्कृत भाषा में उपलब्ध शिक्षाओं और महत्व को बढ़ावा देना एवं प्राचीन ज्ञान की गहन समझ का उत्थान करना और दैनिक जीवन में इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना था। प्राचार्य ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रभारी अध्यापकों, सदनाध्यक्षों, कर्मचारियों तथा सभी अकादमिक-प्रशासनिक कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम छात्र प्रभारी कैडेट अनमोल रहे। वहीं मंच संचालन कैडेट आलोक कश्यप व कैडेट लोकेश भारती ने किया। प्रतियोगिता समग्र प्रभारी शंभू रबिदास टीजीटी संस्कृत थे।